हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 181 | देहरादून, बुधवार, 10 जनवरी, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

छात्र-छात्राओं को प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के निर्देश : मुख्य सचिव 3

यूआईआईडीबी में 10 करोड़ के कॉरपस कोष के गठन को मंजूरी : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखण्ड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यू.आई.आई.डी.बी.) की पहली बोर्ड बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव डॉ.एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव मुख्यमंत्री आर. मीनाक्षी सुन्दरम, विनय शंकर पाण्डे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बोर्ड एवं कार्य समिति की संरचना के साथ ही 10 करोड के प्रारम्भिक कॉरपस कोष के गठन को भी मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास से जुडी परियोजनाओं की पहचान कर उनका प्राथमिकता के साथ उनका सफल क्रियान्वयन हो इस पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। राज्य में हवाई अड्डों के विकास एवं विस्तार, दूरसंचार अवसंरचना, मेडिकल कॉलेजों के विकास, नई टाउनशिप-आवास, औद्योगिक लॉजिस्टिक गलियारे, पर्यटन संबंधी निर्माण विकास जैसी बुनियादी ढांचे के क्षेत्र की परियोजनाओं के विकास के लिए अत्यधिक पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि राज्य में वित्तीय संसाधनों की सीमितता के दृष्टिगत राज्य के आधारभूत अवसंरचनात्मक ढांचे के विकास के लिए पूंजीगत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस क्षेत्र के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पूंजी निवेशकों को आकर्षित किया जाना आवश्यक है। इसके लिए लोक निजी सहभागिता (पी०पी०पी०) परियोजनाओं के प्रोत्साहन पर विशेष ध्यान देना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बुनियादी ढांचागत विकास के क्षेत्र में निरन्तर परिवर्तित हो रहे परिदृश्य एवं विकास की नवीन आवश्यकताओं के दृष्टिगत उत्तराखंड राज्य में आधारभूत ढांचे के विकास को तेजी से आगे बढ़ाने हेतु और पी०पी०पी० परियोजनाओं को विकसित करने हेतु उत्तराखण्ड निवेश और आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यू.आई.आई.डी.बी.) गठित किया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य हित में जिन उद्देश्यों की पूर्ति के लिये यू.आई.आई.डी.बी. का गठन किया गया उसके परिणाम शीघ्र धरातल पर दिखाई दे इसके लिये प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाय।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि बोर्ड की संरचना तथा कार्यकारी समिति से संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों सहित अच्छे विषय विशेषज्ञों को भी नामित किया जाय। यदि बोर्ड से अच्छे और अनुभवी विशेषज्ञ जुडेंगे तो कार्यों का संचालन भी बेहतर ढंग से हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिन योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाना है उनकी प्राथमिकता तय कर समयबद्धता के साथ उन्हें पूरा करने के प्रयास होने चाहिए। उन्होंने निर्देश दिये कि हरिद्वार, ऋषिकेश कोरिडोर, शारदा कोरिडोर के साथ वेडिंग डेस्टिनेशन के लिये प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर स्थान चयन में प्राथमिकता दी जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य वेडिंग डेस्टिनेशन के लिये त्रिजुगीनारायण के अलावा कई और भी सुरम्य स्थल है। राज्य को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी निर्देश है। अतः इस दिशा में तेजी से कार्य किया जाय। इसके लिये उन्होंने वेडिंग प्लानर की सेवा लेने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में दो नई टाउनशिप के प्रस्तावों पर भी शीघ्र कार्यवाही के साथ बिहारीगढ के आसपास के क्षेत्रों के विकास के साथ रेसकोर्स, यमुना कॉलोनी, एच.एम.टी. रानीबाग के पुनर्विकास की योजनाओं पर भी ध्यान देने को कहा।

बीआरओ के कार्यों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार पूरा सहयोग देगी : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जनवरी , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बी.आर.ओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने बीआरओ द्वारा पिथौरागढ़ में बनाई जा रही बलुआकोट से तवाघाट और लिपुलेख से जोलिंगकोंग सड़क मार्ग की कार्यवाही के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले समय में आदि कैलास और पार्वतीकुंड आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी। राज्य में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि की संभावनाओं को दृष्टिगत राज्य सरकार आगामी 50 सालों की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बी.आर.ओ. द्वारा राज्य में किये जा रहे कार्यों में तेजी लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरा सहयोग दिया जायेगा।

महानिदेशक बी.आर.ओ. रघु श्रीनिवासन ने कहा कि बीआरओ द्वारा उत्तराखण्ड में 05 एयरफील्ड गूंजी, कालसी, टनकपुर, घनसाली और नाविढ़ांग को विकसित करने की योजना

बनाई जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि जोशीमठ से औली सड़क मार्ग जिसकी लम्बाई 13.40 कि.मी. है उसके 2.25 कि.मी. पर भारतीय सेना द्वारा रख रखाव किया जा रहा है। उन्होंने सामरिक महत्व के इस मार्ग के अवशेष भाग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य लोक निर्माण के स्थान पर बी.आर.ओ. को हस्तांतरित कर दिया जाय। इसी प्रकार जोशीमठ के बडगांव के हनुमान शिला से औली के लिये 15 कि.मी. वैकल्पिक मार्ग के निर्माण को भी बी.आर.ओ. को सौंपा जाए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव राधा रतूडी, चीफ इन्जीनियर लोक निर्माण विभाग दीपक कुमार यादव एवं बी.आर.ओ. के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : पांच जिलों में बारिश बर्फबारी की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 10 जनवरी : प्रदेश भर में मौसम बदलने की संभावना है। बारिश व बर्फबारी होने से ठंड बढ़ेगी। इसके अलावा रात के साथ दिन के तापमान में भी गिरावट देखने को मिलेगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने पांच जिलों में बारिश की संभावना जताई है। जबकि तीन हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से शीतलहर का प्रकोप बढ़ेगा। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले में बारिश की संभावना जताई गई है। जबकि ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से पहाड़ से लेकर मैदान तक के तापमान पर सीधा असर पड़ेगा।

सीजन में विंटर बारिश बहुत कम होने से दिन के सामान्य तापमान में दो से चार डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जबकि पाला और कोहरा छाने से रात का तापमान सामान्य से दो से छह डिग्री तक नीचे जा रहा है। यही वजह है कि मैदानी इलाकों में पहाड़ों के मुकाबले ज्यादा सूखी ठंड हो रही है। ऐसे में बारिश होने से भले ही तापमान में गिरावट आएगी, लेकिन गलन वाली ठंड से राहत मिलेगी।

मैदान में कोहरा छंटेगा तो खिलेगी धूपमैदानी

इलाकों में बीते कुछ दिनों से घना कोहरा छा रहा है। दिन के समय भी कोहरा छाने से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है, बारिश होने के बाद मैदानी इलाकों में कोहरा छटेगा और धूप खिलने से ठंड से राहत भी मिलेगी।दून के दिन के सामान्य तापमान में बढ़ोतरी जारी है। बीते दिन भी दून का अधिकतम तापमान 22.6 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। मुक्तेश्वर के तापमान में भी एक डिग्री बढ़ोतरी के साथ 12.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। नई टिहरी का तापमान 15.2 डिग्री के साथ सामान्य रहा। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान दो डिग्री कमी के साथ 16.6 डिग्री दर्ज किया गया।

हेलो ! आपकी बहन मिल गई है... पढ़िए इमोशनल फ्रॉड !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , आए दिन अपने नए हथकंडों से पुलिस को चौंका रहे साइबर अपराधियों ने इस बार जिस 'सरकारी टूल' का इस्तेमाल शुरू किया है, उसने पुलिस और तमाम सुरक्षा एजेंसियों को हैरान-परेशान कर दिया है। जी हां, आज हम आपको एक ऐसे साइबर क्राइम से आगाह करेंगे, जो खासकर उन लोगों को बड़ी आसानी से शिकार बना रहा है, जिनकी कार/टू वीलर या मोबाइल चोरी हुए हैं या उनके परिवार और जानकार में कोई लापता है। यह सरकारी टूल है नेशनल लेवल पर काम कर रही पुलिस की 'जिपनेट', जिस पर साइबर अपराधियों ने हाथ आजमाना शुरू कर दिया है। जिपनेट पर अपलोड डिटेल के जरिए दिल्ली समेत देश के अलग-अलग राज्यों के लोगों को फोन कॉल करते हैं, फिर शुरू होता है कि ट्रैप में फंसाने का सिलसिला। ऐसे में अगर आपकी कार/टू वीलर या मोबाइल चोरी हुआ है या आपके परिवार और जानकार में कोई लापता है तो मुमकिन है कि आपके पास ।

अनजान नंबर से उसका कॉल जरूर आएगा

जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क (ZIPNET) पर दिल्ली पुलिस समेत भारत के अधिकतर राज्यों की पुलिस है। इस साइट से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में चोरी हुई गाड़ियों की जानकारी मिल जाती है। चोरी की गाड़ियों की जानकारी लेने के लिए FIR सर्च करनी होती है।इस पर साइट पर चोरी की गाड़ियों के साथ-साथ गुम हुए बच्चे, अज्ञात बच्चे, गुमशुदा व्यक्ति, अज्ञात मृत व्यक्ति और अज्ञात व्यक्ति आदि के बारे में भी जानकारी हासिल की जा सकती है। इसके अलावा, यहां आप चोरी हुए मोबाइल फोन के बारे में भी जानकारी ले सकते हैं।

केस 1: बीते दिनों बुराड़ी के एक शख्स की बेटी लापता हो गई। 15 नवंबर को उनके मोबाइल फोन पर अनजान नंबर से कॉल आई। परिवार को यकीन दिलाने के लिए बेटी का हुलिया बताया। लोकेशन देने को क्यूआर कोड भेजकर रकम ऐंठ ली। पुलिस ने आरोपी ठग को मऊ से गिरफ्तार किया। पता चला कि करीब 904 लोगों को इसी मॉडस ऑपरेंडी से ठग चुका था।

केस 2: सराय रोहिल्ला के युवक की केटीएम बाइक चोरी हुई। पुलिस ने ऑनलाइन एफआईआर दर्ज की। पीड़ित के वॉट्सऐप पर एक मैसेज आया। दावा किया कि बाइक उसके कब्जे में है। लोकेशन बताने को क्यूआर कोड देकर रकम ऐंठ ली। पुलिस ने आरोपी को दिल्ली से पकड़ लिया। बताया कि वह जिपनेट से चोरी

हुए वाहनों और उनके मालिकों का पता निकालकर संपर्क करते थे

पुलिस की सलाह, ऐसी कॉल को इग्नोर करें

पुलिस अफसर का कहना है कि अनजान नंबर से आई कॉल को इग्नोर करें। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन या लापता होने के बारे में जानकारी देने के बदले कोई पैसे मांगे तो सचेत रहें। पर्सनल जानकारी देने से बचें। पुलिस को तुरंत सूचना दें। आजकल पुलिस की जिपनेट और सरकार की दूसरी वेबसाइट से गायब हुए बच्चों और दूसरे लोगों का डेटा जुटा लेते हैं। जिपनेट पर परिवार का एड्रेस और नंबर भी होता है। साइबर ठग उन नंबरों पर कॉल कर हुलिया बता कर उनका भरोसा जीत लेते हैं। लेकिन आपको यही पर अपनी समझदारी दिखानी है।

ब्लड बैंकों के लिए सरकार ने बनाए नए नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , मरीजों के परिजनों को खून की जरूरत को लेकर यहां-वहां भागते देखा होगा। खून लेने के लिए खून डोनेट करने वाले की व्यवस्था करना होता था। ब्लड बैंक मोटी फीस वसूलते थे। अब सरकार ने नए नियम बना दिए। इससे मरीजों और उनके परिजनों को बेहद आसानी हो जाएगी। अस्पतालों और प्राइवेट ब्लड बैंकों में खून के बदले मोटी रकम वसूलने पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला किया है। अब खून के बदले खून देना जरूरी नहीं होगा। ब्लड बैंक या अस्पताल से खून लेने पर प्रोसेसिंग शुल्क के अलावा किसी तरह का चार्ज नहीं लगेगा। सरकार ने निर्देश में कहा है कि खून बेचने के लिए नहीं होता। इस बारे में पूरे देश के ब्लड बैंकों के लिए एडवाइजरी जारी की गई है।

खून लेने के लिए रक्तदान की दरकार नहीं

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस फैसले के साथ नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल (एनबीटीसी) के संशोधित दिशा-निर्देशों का पालन करने को कहा है। अभी ज्यादातर अस्पतालों और ब्लड बैंकों में किसी रोगी के लिए खून की जरूरत पर उसके रिश्तेदारों या परिचितों को रक्तदान करना पड़ता है।

अभी एक यूनिट ब्लड के लिए 2-6 हजार रुपये तक की वसूली

रक्तदान न करने की हालत में निजी अस्पताल और ब्लड बैंक औसतन 2,000 से 6,000 रुपए प्रति यूनिट वसूलते हैं। दुर्लभ ब्लड ग्रुप के मामले में यह शुल्क 10 हजार रुपए से ज्यादा है। नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक अब इस तरह की वसूली नहीं होगी। सिर्फ प्रोसेसिंग शुल्क वसूला जाएगा, जो रक्त या रक्त घटकों के लिए 250 से 1,550 रुपए के बीच होगा। संपूर्ण रक्त या पैक्ड रेड ब्लड सेल्स के लिए शुल्क 1,550 रुपए जबकि प्लाज्मा और प्लेटलेट के लिए 400 रुपए प्रति पैक होगा।

इन बीमारियों से ग्रस्त मरीजों का होगा विशेष फायदा

चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक इस फैसले से रोगियों को लाभ होगा। खासकर उन रोगियों को, जो थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया जैसे रक्त विकारों के कारण नियमित रक्त संक्रमण से गुजरते हैं या जिनकी सर्जरी होने वाली हो। ऐसे मामलों में कई बार रिश्तेदारों या परिचितों के लिए रक्तदान करना संभव नहीं होता। फैसले से कॉर्पोरेट अस्पतालों में खून के लिए मनमानी वसूली पर अंकुश लगेगा।

एक समय में दो काम करने के होते हैं बड़े नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , समय की कमी को देखते हुए मल्टी-टास्किंग आधुनिक जीवन की जरूरत के रूप में देखा जा रहा है। टीवी देखते समय काम के ई-मेल का जवाब देते हैं, बैठकों में खरीदारी की सूची बनाते हैं तो बर्तन धोते समय पॉडकास्ट सुनते हैं। दैनिक और महत्वपूर्ण दोनों कार्यों को निपटाते समय दिन में अनगिनत बार अपना ध्यान बंटाते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि एक ही समय में दो काम करना हमेशा उतना उत्पादक या सुरक्षित नहीं होता, जितना एक समय में एक ही काम पर ध्यान केंद्रित करना होता है।

दो कार्य करने पर तंत्रिका तंत्र में होती है स्पर्धा

अध्ययन के अनुसार मस्तिष्क स्तर पर मल्टी-टास्किंग के साथ समस्या यह है कि एक ही समय में दो कार्य करने पर अक्सर तंत्रिका तंत्र में प्रतिस्पर्धा होती है-जैसे कि सड़क पर यातायात की दो परस्पर धाराएं। खास तौर पर फ्रंटल कॉर्टेक्स में मस्तिष्क के नियोजन केंद्र (दूसरों के बीच पैरेटो-सेरेबेलर प्रणाली से संबंध) मोटर और संज्ञानात्मक दोनों कार्यों के लिए आवश्यक हैं। जितने अधिक कार्य दृष्टि जैसी समान संवेदी प्रणाली पर निर्भर होंगे, हस्तक्षेप उतना ही अधिक होगा। गाड़ी चलाते समय मल्टी-टास्किंग, जैसे फोन पर बात करना जोखिम भरा हो सकता है। फोन पर जितनी गहनता से बात करेंगे, दुर्घटना का खतरा उतना ही अधिक होगा, भले ही आप 'ब्लूटूथ' की मदद से बात कर रहे हैं।

बुजुर्गों से गलती होने की आशंका अधिक

बुजुर्ग या अधेड़पन की उम्र में मल्टी टास्किंग संबंधी त्रुटियों की आशंका अधिक होती है। वृद्ध वयस्क युवा वयस्कों की तुलना में बहुत धीमी गति से और मंथर गति से चलते हैं। वृद्ध वयस्क चलते समय और विशेष रूप से मल्टी-टास्किंग करते समय अपने प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स को अधिक सक्रिय रखते हैं। यह तब अधिक हस्तक्षेप करता है जब समान मस्तिष्क नेटवर्क को भी संज्ञानात्मक कार्य करने के लिए सूचीबद्ध किया जाता है। मल्टी-टास्किंग क्षमताओं का परीक्षण चिकित्सकों को अकेले चलने के आकलन की तुलना में एक बुजुर्ग मरीज के भविष्य में गिर जाने के जोखिम के बारे में बेहतर बता सकता है। यहां तक कि समुदाय में रहने वाले स्वस्थ

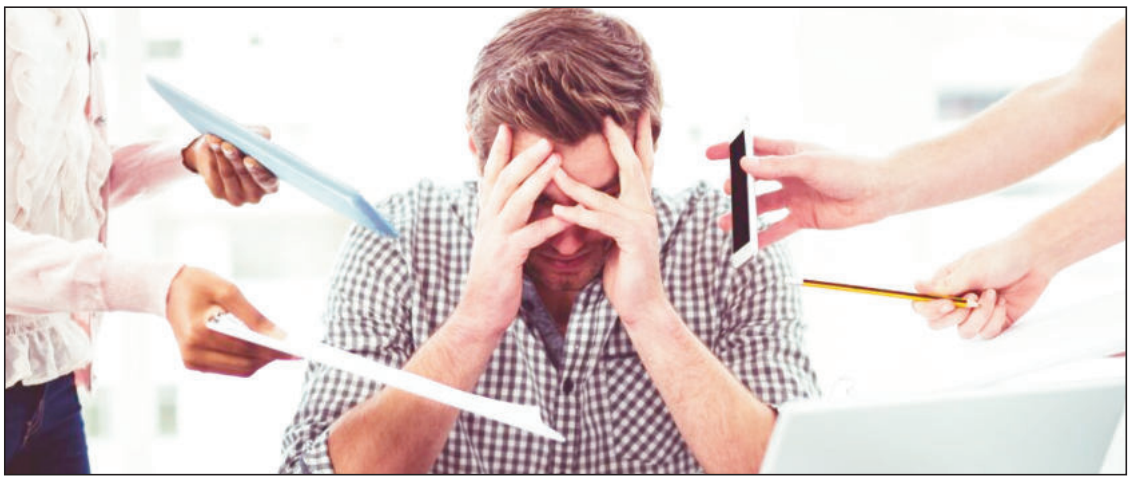

लोगों के लिए भी। परीक्षण उतना ही सरल हो सकता है जितना कि किसी को मन ही मन किसी संख्या को घटाते हुए या एक कप और तश्तरी ले जाते हुए या एक ट्रे पर गेंद को संतुलित करते हुए एक पथ पर चलने के लिए कहना।

अच्छी सैर से होता है दिमाग व्यवस्थित

ऐसा कई बार होता है जब हम चलते समय बेहतर सोचते हैं। एक अच्छी सैर हमारे दिमाग को व्यवस्थित करने और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। कुछ अनुसंधानों से पता चलता है कि चलने से पर्यावरण में दृश्य घटनाओं को खोजने और उन पर प्रतिक्रिया करने की हमारी क्षमता में सुधार हो सकता है। अक्सर एक समय में एक ही चीज पर ध्यान केंद्रित करना बेहतर होता है। कई बार समय के दबाव में मल्टी-टास्किंग की भावनात्मक क्रिया और ऊर्जा लागत को नजरअंदाज कर देते हैं। एक ही समय में कई काम करते समय हम सोचते हैं कि इससे हमारा समय और ऊर्जा बचेगी लेकिन हकीकत अलग हो सकती है

सड़क सुरक्षा जागरूकता की लघु फिल्मों से बढ़ाये जागरूकता : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जनवरी , सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं। राज्य के सभी चिन्हित मार्गों पर क्रैश बैरियर का अवशेष कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ चारधाम यात्रा से पहले पूर्ण किया जाए। ब्लैक स्पॉट पर नियमित रूप से रोड सेफ्टी ऑडिट किया जाए। राज्य के पर्यटक स्थलों के आस-पास जहां पर वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की गई है, उन क्षेत्रों में वाहन चालकों के लिए डोरमिट्री की व्यवस्था भी की जाए। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत बिना लाइसेंस के वाहन चलाने, नशे में वाहन चलाने वालों और यातायात के अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार सख्त कारवाई की जाए। यह निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन कारणों से सड़क दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, इनको रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। चिन्हित मार्गों पर क्रैश बैरियर के कार्यों की धीमी प्रगति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि जन सुरक्षा से संबधित ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जनपदों में जिन स्थानों पर सड़क दुर्घटनाएं अधिक हो रही हैं, और वे अभी तक चिन्हित नहीं हुए हैं, सभी जिलाधिकारी जल्द ही ऐसे स्थलों को चिन्हित कर लें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लघु फिल्में बनाकर व्यापक स्तर पर प्रचार और प्रसार किया जाए। स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता की जानकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल की जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को सड़कां के किनारे हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिये प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये। इसके लिए पुलिस, नगर निगम, एमडीडीए और जिला प्रशासन लगतार कार्यवाही करें। जनपदों में भी जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा सड़कों के किनारे लगने वाले अतिक्रमण को रोकने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा यातायात प्रबंधन के लिए जो कैमरे लगाये गये हैं, उनका इंटीग्रेशन किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य में 165 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं, जिनमें से 129 का सुधार किया गया है एवं 29 के सुधारीकरण की कार्यवाही गतिमान है। 43 ब्लैक स्पॉट ऐसे हैं जिनमें सुधार किये जाने के बाद कोई दुर्घटना नहीं हुई। सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिए परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर आधारित 52 हजार पुस्तकें शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराई गई हैं। जनपदों में चिल्ड्रन ट्रैफिक पार्कों की स्थापना की जा रही है। पुलिस द्वारा ट्रैफिक आई -ऐप के माध्यम से जागरूकता, ट्रैफिक कार्टून बुक्स एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, डीजीपी अभिनव कुमार, सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, रविनाथ रमन, एच.सी. सेमवाल, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं को प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के निर्देश : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून जनवरी, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में प्रदेश के स्कूलों में प्रयोगशालाओं एवं छात्रावासों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने प्रदेश में सभी छात्र-छात्राओं को प्रयोगशालाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को कैरियर काउंसिलिंग की सुविधा भी मिल सके इसके लिए बेस्ट काउंसलर एजेंसियों का सहयोग लिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि शुरूआत में आदर्श विद्यालयों में तेजी से योजनाओं को धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रतिभा की कमी नहीं है, प्रयोगशालाएं और कैरियर काउंसिलिंग प्रदेश के युवाओं में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के छात्र-छात्राओं को और क्या अच्छा दिया जा सकता है, इसके लिए देश की बेस्ट कैरियर काउंसिलिंग एजेंसियों के साथ सेमिनार आयोजित कर उनके सुझाव लिए जाएं। और प्राप्त सुझावों को शीघ्र से शीघ्र लागू कर प्रदेश के युवाओं को एक अच्छे कैरियर की दिशा प्रदान की जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सभी प्रकार की शैक्षिक सुविधाएं

तुरन्त उपलब्ध नहीं करायी जा सकती, ऐसे विद्यालयों के आसपास के आदर्श विद्यालयों में छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए बजट की किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। इससे प्रदेश के भावी युवाओं को अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करायी जा सकती है। इस अवसर पर सचिव रविनाथ रमन उपस्थित थे।

डीएम ने की जिला योजना/राज्य सेक्टर/केन्द्रपोषित एवं वाह्य सहायतित योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला योजना/राज्य सेक्टर/केन्द्रपोषित एवं वाह्य सहायतित योजनाओं की वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों के निर्देशित किया कि जिला योजना में माह जनवरी तक प्रगति शत प्रतिशत करें। जिलाधिकारी ने सभी विभागोंक के अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिसम्पतियों की जीआईएस टैगिंग कार्यों को तीन दिन करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें रिपोर्ट प्रस्तु न करने वाले वाले विभागों के अधिकारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसम्पतियों के जीओ टैगिंग कार्यों की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को ईको टूरिज्म अन्तगत कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जिला सैक्टर एवं राज्य सैक्टार में 85 प्रतिशत से कम प्रगति वाले विभागों को प्रगति बढाते हुए माह जनवरी तक शत प्रतिशत प्रगति बढाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला योजना/राज्य सेक्टर/केन्द्रपोषित एवं वाह्य सहायतित योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष न्यून प्रगति वाले विभागों को माह जनवरी तक प्रगति बढाने के निर्देश दिए। जिला सैक्टर योजनाओं में अवमुक्त धनराशि 9207.91 के सापेक्ष अद्यतन प्रगति 7033.57 (76.39 प्रतिशत) रही, राज्य सैक्टर योजनाओं में अवमुक्त धनराशि 52981.11 के सापेक्ष प्रगति 37470.47 (70.72 प्रतिशत) रही। केन्द्रपोषित योजनाओं में अवमुक्त धनराशि 45389.79 के सापेक्ष प्रगति 41185.10 (90.74 प्रतिशत) रही। बाह्य सहायतित योजनाओं में अवमुक्त धनराशि 2572.39 के सापेक्ष प्रगति प्रगति 1296.83 (50.41 प्रतिशत) रही। 30 सूत्रीय कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने निदेशालय से सम्पर्क करते हुए वार्षिक कलैण्डर बनाते हुए पीएम गतिशील पोर्टल पर कलैण्डर अद्यतन करने तथा जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को मॉनिटिरिंग करने के निर्देश दिए। इसके उपरान्त जिला पंचायतीराज अधिकारी ने पंचायत विकास सूचकांक की जानकारी देते हुए सम्बन्धित विभागों को लक्ष्य के अनुसार डेटा उपलब्ध करान हेतु विभागों के दायत्वों एवं भूमिका की विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान, प्रभागीय वनाधिकारी देहरादून नीतिशमणी त्रिपाठी, मसूरी वैभव सिंह, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश राहुल कुमार, अपर नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून बीर सिंह बुदियाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभियकरण विक्रम सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय जैन, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, सहायक निदेशक सूचना बी.सी नेगी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी शशिकांत गिरी, अपर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पी.एस भण्डारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ विद्याधर कापड़ी, मुख्य कृषि अधिकारी लतिका सिंह, जिला पंचायतीराज अधिकारी विद्याधर सोमनाल सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

देहरादून के झांझरा में क्लोरीन गैस के रिसाव की करेंगे जाँच : अजय सिंह एसएसपी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 10 जनवरी , उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के झांझरा इलाके में तड़के सुबह क्लोरीन गैस के रिसाव होने की सूचना से हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस बल फायर सर्विस के जवान और एसएसपी मौके पर पहुंच गए। दो से तीन लोगों के गैस के प्रभाव में आने से बेहोश होने की खबर मिली जिन्हें तत्काल अस्पताल भेज दिया गया। मौके पर मौजूद एसएसपी अजय सिंह ने बताया है की खाली प्लॉट में पड़े सिलेंडर जो लीक हो गए। उन्हें मौके से हटवाया गया और अब मामले की जांच भी कराई जाएगी। जिससे किसके स्तर से लापरवाही बरती गई इसकी जानकारी मिल सके।

आपको बता दें कि मंगलवार तड़के सुबह थाना प्रेम नगर को सूचना मिली कि झांझरा क्षेत्र में स्थित एक प्लॉट में रखें गैस सिलेंडरों से क्लोरीन गैस का रिसाव हो रहा है। सूचना पर थाना प्रेमनगर से पुलिस बल तथा पुलिस स्टेशन देहरादून से फायर कर्मियों की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची तथा घटना के संबंध में NDRF तथा SDRF की टीमों को सूचित करते हुए मौके पर बुलाया गया। घटना की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा स्वयं मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कार्यो का जायजा लिया। उपस्थित अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

रेस्क्यू टीमों द्वारा मौके पर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करते हुए आस-पास के क्षेत्र में स्थित घरों से लोगों को रेस्क्यू पर करते हुए सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मौके से गैस सिलेंडर को हटाने की कार्रवाई की गयी। फिलहाल इस खाली प्लॉट में गैस सिलेंडर को किन कारणों से रखा गया था, इस संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है।

चिन्तक एवं चिपको आन्दोलन के प्रमुख सूत्रधार सुन्दरलाल बहुगुणा की जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भारत के महान पर्यावरण-चिन्तक एवं चिपको आन्दोलन के प्रमुख सूत्रधार सुन्दरलाल बहुगुणा जी की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि उन्होंने हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के संरक्षण के लिए अद्भुत संघर्ष किया। परमार्थ निकेतन में आज पर्यावरण चिंतक सुन्दरलाल बहुगुणा जी की जयंती पर परमार्थ परिवार के सदस्यों ने आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर आशा कार्यकर्ताओं को स्वच्छता का महत्व बताते हुये साबुन व सेनेटाइजर वितरित किये। परमार्थ निकेतन में दो दिवसीय आशा कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसके समापन अवसर पर ग्लोबल इंटरफेथ वाश एलायंस के प्रशिक्षकों ने आशा कार्यकर्ताओं को जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों के नियमित टीकाकरण के विषय में जानकारी देते हुये 'पांच साल सात बार छूटे न टीका एक भी बार' का संकल्प कराते हुये कहा कि उत्तराखंड पहाड़ी राज्य है। पहाड़ पर रहने वालों की समस्यायें भी पहाड़ जैसी ही होती है इसलिये टीकाकरण का संदेश, टीकाकरण की जानकारी और तारीख उन तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है।

जिला प्रशासन टिहरी गढ़वाल की अभिनव पहल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

टिहरी,09 जनवरी !''जिला प्रशासन टिहरी गढ़वाल की अभिनव पहल पर कन्वरजेन्स के माध्यम से करवाए गए पुर्ननिर्माण/मरम्मत कार्यों से स्कूली छात्र-छात्राएं तथा ग्रामीण हो रहे है लाभान्वित।'' अब तक क्षतिग्रस्त पुलियाओं के पुर्ननिर्माण से लगभग 436 स्कूली छात्र-छात्राएं तथा 1987 आम जनमानस हुए लाभान्वित।

ग्रामीणों की मूलभूत सुविधाओं से सम्बन्धित पुर्ननिर्माण/मरम्मत कार्य जहां बजट के अभाव में या कम बजट के चलते लंबित रह जाते थे तथा स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को दैनिक जनसमस्याओं से जूझना पड़ता था। साथ ही उनकी दैनिक दिनचर्या पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था तथा खतरे की सम्भावना अलग भी बनी रहती थी। अब जिला प्रशासन द्वारा स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत तथा जनहित में महात्मा गांधी नरेगा एवं आपदा मद को कन्वरजेन्स के माध्यम से पुर्ननिर्माण/मरम्मत के कार्य करवाए जा रहे हैं। बता दे कि कन्वर्जन पहल से क्षतिग्रस्त पुल पुलिया, सार्वजनिक रास्ते, पंचायत भवन, गाढ़ गदेरों में पुश्ता पुर्ननिर्माण कार्य किये जा रहे हैं। वर्ष 2022 से अब तक राज्य आपदा मोचन निधि एवं वृहद पुर्ननिर्माण मद का महात्मा गांधी नरेगा के साथ कन्वरजेन्स कर जनपद में 73 कार्य कराये गये, इनमें 27 कार्य पुलियों का पुर्ननिर्माण/मरम्मत से संबंधित है। क्षतिग्रस्त पुलियाओं के पुर्ननिर्माण से ग्रामवासी एवं स्कूली

बच्चों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ ही मानसून सीजन में जहां बच्चों को गदेरे पार कर खतरों से जूझकर स्कूल जाना पड़ता था, अब आसानी से बच्चे पुलिया पार कर सुरक्षित स्कूल आना-जाना कर रहे हैं। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त पेयजल लाईन के पुर्ननिर्माण, स्कूलों एवं गांवों के सार्वजनिक रास्तों का पुर्ननिर्माण/मरम्मत, क्षतिग्रस्त पंचायत भवन, कॉमन वर्कशेड के पुर्ननिर्माण से ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा, आसानी से पहुंचमार्ग अन्य सुविधाएं मिलने के साथ ही मनरेगा से लोगों को रोजगार मिल रहा है।

प्रभारी जिला विकास अधिकारी शाकिर हुसैन ने बताया कि वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में राज्य आपदा मोचन निधि एवं वृहद पुर्ननिर्माण मद का महात्मा गांधी नरेगा के साथ कन्वरजेन्स के माध्यम से जनपद में कुल 73 कार्य कराये गये। बताया कि कन्वरजेन्स के माध्यम से कुल 183.24 लाख की धनराशि से 27 पुलियों का पुर्ननिर्माण/मरम्मत करवाया गया, जबकि 135.98 लाख के ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से सम्बन्धित यथा पेयजल लाईन का पुर्ननिर्माण, स्कूलों एवं गांवों के सार्वजनिक रास्तों का पुर्ननिर्माण/मरम्मत, क्षतिग्रस्त पंचायत भवन, कॉमन वर्कशेड का पुर्ननिर्माण के कार्य शामिल हैं। बताया कि इसके अतिरिक्त जनपद में महात्मा गांधी नरेगान्तर्गत पृथक से पुलिया निर्माण कार्य भी प्राथमिकता से किये जा रहे हैं।

नींद पूरी नहीं लेंगे, तो 60 के बाद क्या होगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , नए शोध के अनुसार जिन लोगों की 30 और 40 की उम्र में नींद अधिक बाधित होती है, उनमें एक दशक बाद याददाश्त और सोच संबंधी समस्याएं होने की संभावना अधिक हो सकती है। हालांकि न्यूरोलॉजी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन यह साबित नहीं करता है कि नींद की गुणवत्ता संज्ञानात्मक गिरावट का कारण बनती है। यह केवल एक जुड़ाव दर्शाता है.शोधकर्ताओं का कहना है कि अल्जाइमर रोग के लक्षण शुरू होने से कई दशक पहले मस्तिष्क में जमा होने लगते हैं, जीवन में पहले नींद और अनुभूति के बीच संबंध को समझना बीमारी के जोखिम कारक के रूप में नींद की समस्याओं की भूमिका को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। निष्कर्ष बताते हैं कि मध्य आयु में नींद की क्वालिटी बहुत मायने रखती है। इस अध्ययन में 40 वर्ष की औसत आयु वाले 526 लोगों को शामिल किया गया। उन पर 11 वर्षों तक नजर रखी गई।

नींद की अवधि और गुणवत्ता को देखा

शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों की नींद की अवधि और गुणवत्ता को देखा। प्रतिभागियों ने अपने औसत की गणना करने के लिए लगभग एक वर्ष के अंतराल पर दो अवसरों पर लगातार तीन दिनों तक कलाई गतिविधि मॉनिटर पहना। प्रतिभागी औसतन छह घंटे सोए।

डायरी में नोट किया

प्रतिभागियों ने नींद की डायरी में सोने और जागने के समय की भी सूचना दी और शून्य से 21 तक के स्कोर के साथ नींद की गुणवत्ता सर्वेक्षण पूरा किया, जिसमें उच्च स्कोर खराब नींद की गुणवत्ता का संकेत देते हैं। कुल 239 लोगों या 46 प्रतिशत ने पांच से अधिक स्कोर के साथ खराब नींद की सूचना दी। प्रतिभागियों ने स्मृति और सोच परीक्षणों की एक श्रृंखला भी पूरी की।

शोध में यह निकलकर आया

सबसे अधिक बाधित नींद वाले 175 लोगों में से, 10 साल बाद 44 लोगों का संज्ञानात्मक प्रदर्शन खराब था, जबकि सबसे कम बाधित नींद वाले 176 लोगों में से 10 की तुलना में थे। उम्र, लिंग, नस्ल और शिक्षा के आधार पर समायोजन करने के बाद, जिन लोगों की नींद सबसे अधिक बाधित हुई, उनमें सबसे कम बाधित नींद वाले लोगों की तुलना में खराब संज्ञानात्मक प्रदर्शन होने की संभावना दोगुनी से भी अधिक थी।

एक-दूसरे को देखकर क्यों आती है उबासी, इसके पीछे भी है विज्ञान...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जनवरी : हम सबकी लाइफ में कुछ ऐसी घटनाएं रोज़ाना होती हैं, जिन्हें हम सामान्य मानते हैं. हालांकि हमें पता ही नहीं होता इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है. एक ऐसी ही सामान्य सी प्रक्रिया है उबासियां जम्हाई लेना. आमतौर पर माना जाता है कि जब कोई एक ही काम करते-करते थक जाता है या फिर उसे आलस्य आ रहा होता है, तो उसे उबासी आने लगती है. क्या वाकई ऐसा ही है?आपने अक्सर देखा होगा कि अगर किसी एक शख्स को उबासी आ रही है, तो उसके आसपास मौजूद दूसरे लोग भी उबासी लेने लगते हैं. आखिर ऐसा क्यों होता है कि हमें तब ही उबासी आने लगती है, जब हम किसी और को ऐसा करते हुए देखते हैं. क्या ये सिर्फ आलस्य की निशानी है या फिर इसके पीछे कोई वैज्ञानिक वजह भी काम करती है?

उबासी भी संक्रमण है क्या?

वैसे तो जम्हाई लेना एक सामान्य प्रक्रिया है. ये कोई बैक्टीरियल या वायरल संक्रमण तो है नहीं, फिर इतनी जल्दी दूसरे के अंदर ये व्यवहार क्यों आ जाता है. वैज्ञानिकों ने इसके जवाब की खोज की है, जिसका कनेक्शन सीधा हमारे दिमाग से निकला. इटैलियन वैज्ञानिकों के मुताबिक इसके पीछे मिरर न्यूरॉन का हाथ होता है. ये न्यूरॉन कुछ भी नया सीखने, नकल करने और सहानुभूति दिखाने से जुड़ा हुआ है. ये अपने नाम के मुताबिक ही सामने वाले की प्रतिछाया तैयार करता है. यही वजह

है कि किसी को उबासी लेते हुए देखकर ब्रेन का मिरर न्यूरॉन सक्रिय हो जाता है और हम वैसा ही करने लगते हैं.

कमाल है ये विज्ञान

इस न्यूरॉन की खोज जियो कोमो रिजोला टी नाम के न्यूरो बायोलॉजिस्ट ने की थी. पहले बंदर के दिमाग पर रिसर्च करके उन्होंने इसकी एक्टिविटी समझी थी. जब इंसानों में ये एक्सपेरिमेंट किया गया, तो पता चला कि यहां भी वो बिल्कुल वैसे ही काम करता है. मिरर न्यूरॉन दिमाग के चार हिस्सों में पाया जाता है. इनके काम करने की क्षमता पर ही ये न्यूटन भी अपना प्रभाव छोड़ता है. ऑटिज्म, सिजोफ्रेनिया और दिमाग से जुड़ी कुछ बीमारियों में ये न्यूरॉन प्रभावित होता है और इसकी क्षमता कम हो जाती है.

क्या पक्षियों की तरह उड़ सकता है इंसान?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जनवरी : जब बच्चे पहली बार पक्षियों को देखते हैं तो वो इस बात से काफी प्रभावित होते हैं कि पक्षी उड़ते हैं. ऐसे में उनका एक प्रश्न अपने माता-पिता से होता है कि हम पक्षियों की तरह क्यों नहीं उड़ पाते? अगर आपने भी अपने बचपन में इस बात को कभी अपने माता-पिता से पूछा है और अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं जान पाए हैं तो आपको ये लेख पूरा पढ़ना चाहिए. इंसानों के पास भी पक्षियों के पंख की तरह दो हाथ होते हैं. तो फिर वो पक्षियों की तरह उड़ क्यों नहीं पाते?

आज हम बात कर रहे हैं इंसान और पक्षियों के उड़ान के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी ने ये सवाल किया है कि क्या आज के वक्त में बढ़ती तकनीक को देखते हुए, इंसान पक्षियों की तरह उड़ सकते हैं? एक महिला ने इसे लेकर जवाब दिया है.महिला ने कहा कि इंसानों के हाथों की मांसपेशियां उतनी मजबूत नहीं हैं जितनी पक्षियों की होती हैं. पक्षियों के पास कील बोन होती है जो इन शक्तिशाली मसल्स को जोड़ती है. ये तो आम लोगों के जवाब हो गए, चलिए अब देखते हैं कि विश्वस्नीय सोर्सेज का इस बारे में क्या कहना है. साइंस वर्ल्ड वेबसाइट और अमेरिका के एमआईटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की वेबसाइट के अनुसार इंसान पक्षियों की तरह नहीं उड़ सकते. पर क्यों...चलिए बताते हैं.

इंसान इस तरह से डिजाइन ही नहीं हुए हैं कि वो अपने हाथों को पंख की तरह फड़फड़ा कर उड़ सकें. हमारे हाथ इतना लिफ्ट ही नहीं पैदा कर पाते जो ग्रैविटी के फोर्स को काटकर हमें ऊपर उठा

सकें. असल में सिर्फ पंख होने से पक्षी नहीं उड़ते, पंख एक बड़ा कारक है, पर सच तो ये है कि उनका हल्का शरीर, खोखली हड्डियां, उन्हें उड़ने में मदद करती हैं. पक्षियों के शरीर में एयर सैक होते हैं जो उनके शरीर को हल्का बनाते हैं, इस तरह वो हवा में आसानी से उड़ जाते हैं. उड़ते वक्त उनके शरीर का जो आकार होता है, वो हवा के रेजिस्टेंस को कम करने का काम करता है. उनकी मसल्स काफी शक्तिशाली होती हैं. पक्षियों के फेफड़े भी अलग तरह से डिजाइन होते हैं. जब वो एक बार सांस लेती हैं, तो काफी ज्यादा मात्रा में प्राणवायु यानी ऑक्सीजन ग्रहण कर लेती हैं. इस तरह उनकी मांसपेशियां लंबे वक्त तक काम करती रहती हैं. पक्षियों के पंख में हवा फंस जाती है, जिस वजह से उन्हें लिफ्ट मिलने में भी आसानी होती है।

चकराता घूमने का प्लान बनाएं, सफर होगा मजेदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , उत्तराखंड देश का एक ऐसा राज्य है, जहां की खूबसूरती को निहारने के लिए हर दिन हजारों देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते रहते हैं। नैनीताल, मसूरी, ऋषिकेश और हरिद्वार जैसी चर्चित जगहों पर घूमने का एक अलग ही मजा होता है। चकराता हिल स्टेशन भी एक ऐसी जगह है, जहां घूमना किसी जन्नत से कम नहीं है। जो लोग भीड़-भाड़ की दुनिया से दूर किसी शांत और मनमोहक जगह छुट्टियां बिताना चाहते हैं, उनके लिए चकराता किसी स्वर्ग से कम नहीं है।दिल्ली से 3 दिन चकराता घूमने के लिए किस तरह मजेदार ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आप बहुत कम खर्च में छुट्टियों का लुत्फ उठा सकते हैं।

दिल्ली से चकराता कैसे पहुंचें?

दिल्ली से चकराता पहुंचना बहुत ही आसान है। इसके लिए आप आसानी से उत्तराखंड बस सर्विस, ट्रेन या फिर अपनी गाड़ी से पहुंच सकते हैं। आप दिल्ली में स्थित कश्मीरी गेट बस स्टैंड से देहरादून के लिए बस ले स्क्कते हैं। दिल्ली से देहरादून बस का किराया करीब 350 रुपये और देहरादून से चकराता के लिए करीब 100 रुपये किराया होता है।देहरादून बस स्टैंड पहुंचने के बाद देहरादून से लोकल बस या टैक्सी लेकर चकराता पहुंच सकते हैं। आप दिल्ली से ट्रेन के माध्यम से देहरादून रेलवे स्टेशन पहुंच सकते हैं। देहरादून रेलवे स्टेशन से लोकल बस या टैक्सी लेकर आसानी से चकराता पहुंच सकते हैं।

आपको बता दें कि दिल्ली से चकराता के लिए सीधी बस नहीं चलती है और न ही ट्रेन है। इसके लिए आपको देहरादून, हरिद्वार या ऋषिकेश पहुंचना होगा।चकराता में ऐसे कई होटल और रिसॉर्ट मिल जाएंगे, जहां आप आसानी से बहुत कम पैसे में ठहर सकते हैं। इसके लिए आप चकराता मेन शहर नहीं, बल्कि शहर से कुछ दूरी पर रूम बुक कर सकते हैं। मेन शहर में रूम का किराया अधिक होता है।

चकराता करीब 600-1000 रुपये के बीच में एक से एक बेहतरीन होटल्स मिल जाते हैं। आप होटल यात्री इन, कंसारा होम स्टे, द होस्टलर चकराता, होटल वेदा इन, रामताल रिसॉर्ट और होटल स्नो व्यू आदि होटल्स में रूम बुक कर सकते हैं। चकराता में आपको गई गेस्ट हाउस मिल जाएंगे, जहां आप 500 रुपये के अंदर रूम बुक कर सकते हैं।

चकराता एक छोटा, लेकिन बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक गांव है। इस गांव में बहुत कम ही खाने-पीने की जगह मिलेगी। यहां आपको जगह-जगह ढाबे मिल जाएंगे जहां आप फास्ट फूड का स्वाद चख सकते हैं।आप मेहता रेस्टोरेंट और फास्ट फूड, पहाड़ी देवदार, देवना रेस्टोरेंट में बहुत कम पैसे में स्थानीय भोजन का बेहतरीन लुत्फ उठा सकते हैं।

चकराता में घूमने की बेस्ट जगहें

चकराता एक छोटा, लेकिन बेहद ही खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन है। यहां ऐसी कई बेहतरीन जगहें मौजूद है, जहां आप पार्टनर, परिवार या दोस्तों के साथ मौज-मस्ती करने पहुंच सकते हैं।चकराता में पहले दिन कुछ बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। घूमने के लिए आप स्कूटी ले सकते हैं। स्कूटी का किराया प्रतिदिन करीब 500 रुपये होता है। सबसे पहले कनासर, टाइगर फॉल्स और देवबन बर्ड वाचिंग जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। सफर में आप जगह-जगह फोटोग्राफी भी कर सकते हैं।

दूसरे दिन आप बुधेर गुफा, चिलमरी नेक और यमुना एडवेंचर पार्क जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। इन जगहों की दूरी कुछ अधिक है, इसलिए आपको थोड़ा बहुत अधिक समय लग सकता है। समय बचाता है तो आप मुंडाली को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। तीसरे दिन आप कुछ जगहों को एक्सप्लोर करने के साथ-साथ दिल्ली के लिए निकल भी सकते हैं। तीसरे दिन आप किमोना वॉटरफॉल, चिलमिरी नेक और राम ताल बागवानी उद्यान जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

लाइट में सोने से सेहत को खतरा : रिसर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जनवरी : सोने के कई तरीके होते हैं। जहां कुछ लोग पूरे अंधेरे में सोना पसंद करते हैं, वहीं कुछ थोड़ी रोशनी के साथ सोते हैं। हाल ही में अमेरिका में हुई एक नई रिसर्च के मुताबिक, लाइट में सोना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन द्वारा की गई एक स्टडी में पाया गया कि थोड़ी सी भी लाइट आंखों में घुसकर आपका हार्ट रेट और ब्लड शुगर लेवल बढ़ा सकती है। यानी इससे दिल की बीमारी और टाइप-2 डायबिटीज हो सकती है।

लाइट में सोने से दिल को खतरा, हो सकता है डायबिटीज दिन में हमारा हार्ट रेट ज्यादा होता है और रात में आमतौर पर कम हो जाता है। मगर रिसर्च में शामिल लोग जब लाइट में सोए तो रात में भी उनका हार्ट रेट ज्यादा पाया गया। इससे भविष्य में जल्दी मौत होने का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि रात में हमारा दिमाग शरीर को रिपेयर करने में लगा रहता है इसलिए हार्ट रेट कम हो जाता है।

रिसर्च में सुबह उठकर लोगों में हाई ब्लड शुगर लेवल भी पाया गया। लॉन्ग टर्म में यह टाइप-2 डायबिटीज का कारण बन सकता हैलाइट के इस्तेमाल से मोटापे का रिश्ता इससे पहले हुई एक रिसर्च में वैज्ञानिकों ने कहा था कि रात में सोते समय आर्टिफिशियल लाइट का इस्तेमाल आपको मोटा कर सकता है। इससे वजन बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है।

सोते समय लाइट कम करने की टिप्स

नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी ने रिसर्च में सोने के दौरान लाइट कम करने के कुछ तरीके बताए हैं। रात में लाइट बल्ब जलाकर न सोएं। यदि आपको लाइट की जरूरत है ही तो जमीन के पास कम से कम लाइट रखें। लाइट के रंग पर ध्यान दें। रेड, ऑरेंज कलर की लाइट आंखों को ज्यादा प्रभावित नहीं करती। वहीं व्हाइट और ब्लू लाइट को हमेशा सोते हुए इंसान से दूर रखना चाहिए। यदि आप बाहरी लाइट कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं तो आई मास्क का इस्तेमाल करें। अपने बिस्तर को लाइट से दूर रखें।

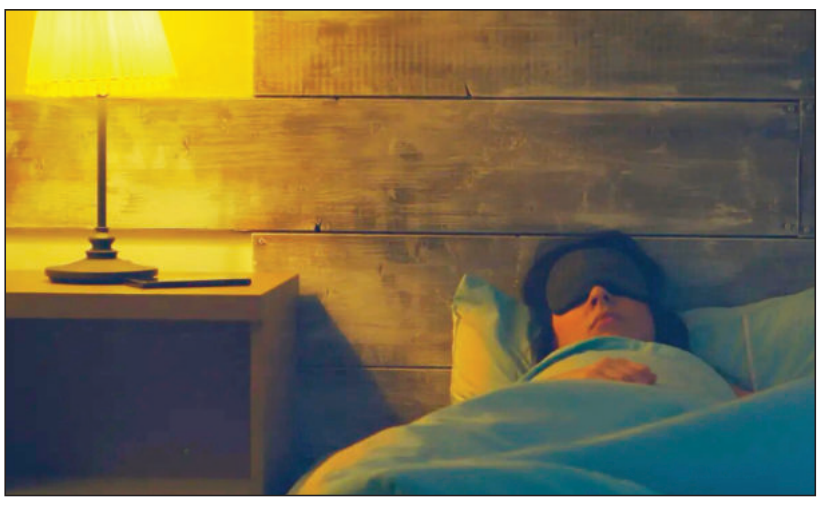

सिर्फ 'निगेटिव' लोगों को खाना खिलाता है ये कैफे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जनवरी : हर इंसान का अपना स्वभाव होता है, कोई हर परिस्थिति में सकारात्मक रहता है तो कोई किसी भी परिस्थिति में निगेटिव ही रहता है. आमतौर पर ऐसे लोगों से दूरी बनाकर ही रखने में भलाई होती है, जो आपको भी डिप्रेशन में डाल दें लेकिन एक जगह ऐसी भी है, जहां सिर्फ नकारात्मक लोगों का ही स्वागत होता है. इन्हें यहां सम्मान दिया जाता है और उनके नकारात्मक और निराश होने से किसी को कोई दिक्कत नहीं है।

आपने हमेशा सुना होगा कि हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए लेकिन एक ऐसा कैफे भी है, जो सिर्फ निगेटिव लोगों के लिए बना है. जो सकारात्मक सोच नहीं रख सकते, उन्हें ये कैफे बड़े ही सम्मान से डील करता है. ये कैफे जापान की राजधानी टोक्यो में है. यहां की डिस्ट्रिक्ट में बने इस कैफे का नाम Mori Ouchi है. चलिए आपको इससे जुड़ी और जानकारी देते हैं।

निगेटिव माइंडसेट वालों का स्वागत

Mori Ouchi वो जगह है, जहां नकारात्मक और निराश रहने को बुरा नहीं माना जाता है. इस कैफे के फाउंडर का कहना है कि वो खुद भी निगेटिव सोच ही रखते हैं, ऐसे में उन्हें अपनी ही तरह सोचने वाले लोगों के लिए ये जगह बनाई है. वे 10 साल से इसके बारे में सोच रहे थे लेकिन महामारी के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि जो लोग निगेटिव सोचते हैं, वे ज्यादा संवेदनशील होते हैं. ऐसे में उन्होंने एक छोटा सा कैफे सिर्फ ऐसे ही लोगों के लिए खोला. उनका कहना है कि सकारात्मक होना अच्छी बात है लेकिन निगेटिव होना इतना भी बुरा नहीं।

ये जगह नकारात्मक सोचने वालों के लिए एक रिलैक्सिंग जगह है. यहां के ज़ंग लगे और लकड़ी से बने इंटीरियर को खुद इसके मालिक ने तैयार किया है. यहां लोगों के लिए प्राइवेट रूम्स भी बनाए गए हैं ताकि वे यहां किसी की नज़रों में आए बिना आराम से रह सकें. यहां जो चीज़ें परोसी जाती हैं, उनके नाम भी लंबे-उबाऊ और अजीब हैं. जब ड्रिंक लाए जाते हैं तो उनका रंग चमकदार होता है लेकिन मिक्स करते ही ये बदरंग और स्वाद में खराब होते हैं।

नाबालिग गुमशुदा को चमोली पुलिस ने सकुशल परिजनों को किया सुपुर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 10 जनवरी : थाना गोपेश्वर पर आकर सूचना दी की उनकी नाबालिग पुत्री उम्र 16 वर्ष बिना बताए घर से कही चली गयी है तथा काफी ढूंढा खोज करने के पश्चात भी उसका कोई पता नहीं चल पाया है। मामला नाबालिग व महिला सम्बन्धी होने पर पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव (IPS) द्वारा मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना गोपेश्वर को तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिग की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित करने हेतु निर्देशित किया गया। थाना गोपेश्वर पर मुकदमा अपराध संख्या 01/24 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

गठित पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही टैक्सी व अन्य वाहन चालकों से गहन पूछताछ की गयी, तत्पश्चात पुलिस टीम के अथक प्रयासों, कुशल सुरागरसी पतारसी करते हुए व तकनीकी सहायता से आज दिनांक 09.01.2024 को गुमशुदा नाबालिग को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपनी पुत्री को सकुशल मिलने पर परिजनों द्वारा चमोली पुलिस की सराहना करते हुए थाना गोपेश्वर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया गया।

पंजीकृत अभियोग - मु0अ0सं0 01/24

पुलिस टीम -
1. निरी0 राजेंद्र सिंह रौतेला
2. उ0नि0 सुमित बंदुनी
3. कां0 राजेंद्र सिंह(SOG)
4. म0कां0 निशी

अयोध्या मंदिर उद्घाटन : 14 जनवरी से 9 दिवसीय उत्सव मनाएगा उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , १० जनवरी , अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले, उत्तराखंड सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा है कि 14 जनवरी को उत्तरायण उत्सव से लेकर श्री राम उत्सव तक, उत्तराखंड में लगातार नौ दिनों तक सांस्कृतिक उत्सव मनाए जाएंगे। 22 जनवरी को अयोध्या में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम.

उत्तराखंड सरकार ने आदेश जारी किया है।

"जनपद/विकास खण्ड स्तर पर समितियों का गठन कर जनभागीदारी से धार्मिक स्थलों पर कलश यात्रा एवं झांकियों का आयोजन किया जाय, जिसमें महिला मंगल दल, युवक मंगल दल एवं स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी सुनिश्चित की जाय। प्रदेश के सभी मठ-मंदिरों एवं नदी तटों पर स्थित स्नान घाटों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए।सभी नगर निकायों, जिला पंचायत, विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत सहित सामाजिक संगठन, स्वयं सहायता समूह, महिला मंगल दल। स्कूलों/कॉलेजों द्वारा युवक मंगल दल और जनभागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।"

आदेश में कहा गया है, "राज्य के प्रमुख मंदिरों, देवालयों एवं घाटों पर जनभागीदारी से दीपोत्सव एवं आरती का आयोजन किया जाए तथा मंदिरों, देवालयों एवं धार्मिक स्थलों पर रामचरितमानस का पाठ, भजन-कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।" 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह 16 जनवरी से शुरू होकर सात दिनों की अवधि में आयोजित किया जाएगा। 16 जनवरी को, मंदिर ट्रस्ट, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा नियुक्त यजमान प्रायश्चित समारोह का संचालन करेगा। सरयू नदी के तट पर 'दशविध' स्नान, विष्णु पूजा और गायों को प्रसाद दिया जाएगा।

इसके बाद 17 जनवरी को भगवान राम की बाल स्वरूप (राम लला) की मूर्ति लेकर एक जुलूस अयोध्या पहुंचेगा. मंगल कलश में सरयू जल लेकर श्रद्धालु राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचेंगे.

18 जनवरी को गणेश अंबिका पूजा, वरुण पूजा, मातृका पूजा, ब्राह्मण वरण और वास्तु पूजा के साथ औपचारिक अनुष्ठान शुरू होंगे।

19 जनवरी को, पवित्र अग्नि जलाई जाएगी, इसके बाद 'नवग्रह' की स्थापना और 'हवन' (आग के चारों ओर पवित्र अनुष्ठान) किया जाएगा।

राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह को 20 जनवरी को सरयू जल से धोया जाएगा, जिसके बाद वास्तु शांति और 'अन्नाधिवास' अनुष्ठान होगा।

21 जनवरी को रामलला की मूर्ति को 125 कलशों से स्नान कराया जाएगा और अंत में उन्हें समाधि दी जाएगी। अंतिम दिन 22 जनवरी को सुबह की पूजा के बाद दोपहर में 'मृगशिरा नक्षत्र' में राम लला के विग्रह का अभिषेक किया जाएगा।

श्रीराम की मूर्ति की आंखों पर पट्टी क्यों बाँधी गयी, ये है वजह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , रामनगरी अयोध्या में प्रभु राम की जन्मभूमि पर नवनिर्मित भव्य मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को होगी. प्राण प्रतिष्ठा के लिए चुनी गई मूर्ति चर्चा का विषय बनी हुई है. कि जब तक प्राण प्रतिष्ठा नहीं हो जाएगी. तब तक रामलला की आंखों पर पट्टी बंधी रहेगी और अनावरण के मौके पर उनकी आंखें नहीं देख सकेंगे. प्राण प्रतिष्ठा हो जाने का बाद ही उनकी पट्टी खोली जाएगी. इस मौके पर आपको जानकारी दे रहे हैं कि प्राण प्रतिष्ठा से पहले मूर्ति की आंखों पर पट्टी क्यों बांध दी जाती है. इसके पीछे क्या रहस्य है. जानने के लिए पढ़ें पूरा लेख...

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के अनुसार, प्राण प्रतिष्ठा से पहले 17 जनवरी को मूर्ति का अनावरण किया जाएगा. इसी दिन रामभक्त प्रभु राम की मूर्ति देख सकेंगे. इसके लिए अयोध्या में नगर यात्रा भी निकाली जाएगी. इसी दिन मूर्ति की तस्वीर और वीडियो आम जनता के लिए जारी किया जाएगा. नगर यात्रा पर जब प्रभु राम की मूर्ति निकलेगी, तब उनकी आंखें भक्तों को नजर नहीं आएंगी क्योंकि प्रभु की मूर्ति की आंखों को कपड़े की पट्टी से ढक दिया गया है.

मूर्ति की आंखों पर क्यों बंधी रहेगी पट्टी

ज्योतिषियों के अनुसार, जब भक्त भगवान के दर्शन करता है तो उसकी आंखों में ही देखता है,

क्योंकि आंखें ही ऊर्जा का मुख्य केन्द्र होती हैं. वहीं से भावों का आदान-प्रदान होता है. यहां तक कि बांकें बिहारी के लिए भी कहा गया है कि भक्त उनकी आंखों में ज्यादा देर तक न देखें इसलिए बार-बार गर्भगृह का पर्दा बंद कर दिया जाता है. क्योंकि एक बार भक्त ने 30 सेकंड तक प्रभु की आंखों में इतने प्रेम से देखा कि उसके वशीभूत होकर श्रीकृष्ण भक्त के साथ ही चले गए थे.

यानी कि भगवान की मूर्ति में आंखें ही सबसे अहम होती हैं. इसलिए प्राण-प्रतिष्ठा के बाद ही आंखें खोली जाती हैं. भगवान की मूर्ति की आंखों में देखने से एक ऊर्जा, सकारात्मकता, आत्मानंद की अनुभूति होती है. इसलिए नगर यात्रा के दौरान मूर्ति की आंखें ढक दी जाती है. यहां कारण है कि प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की आखों पर पट्टी बांधी गई है.

जानें क्यों खास है रामलला की मूर्ति ?

बता दें कि रामलला की मूर्ति तो खास है ही. बताया जा रहा है कि नेपाल की नारायणी नदी से शालिग्राम शिला को लाकर और उसे तराशकर यह मूर्ति तैयार की गई है. शालिग्राम भगवान विष्णु का विग्रह रूप है और प्रभु राम भगवान विष्णु के ही अवतार हैं. इस लिहाज से देखा जाए तो साक्षात नारायण के विग्रह रूप को तराशकर उनके ही अवतार प्रभु राम के बालक रूप की मूर्ति बनाई गई है जो कि परमपवित्र है.

लंबे सफर में मोशन सिकनेस से बचाएंगे ये 6 टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , लॉन्ग ट्रिप पर जाना कितना खूबसूरत होता है। हर कोई सफर का आनंद उठाना चाहता है लेकिन कुछ लोग सफर के नाम से ही भागते हैं। क्योंकि कार-बस में सफर के दौरान उन्हें चक्कर या उल्टी आने की समस्या होती है। अगर आप भी मोशन सिकनेस (Motion Sickness) यानी सफर में उल्टी या चक्कर सा फील करते हैं तो आज हम आपको ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपकी इस समस्या को चुटकियों में सॉल्व कर देंगे। आइए जानते हैं...

सफर के दौरान मोशन सिकनेस से बचने के टिप्स

जब भी लंबे सफर पर निकलें तो ध्यान रखें कि एक ही बार में पूरा सफर न तय करें। थोड़ी-थोड़ी दूर पर ब्रेक लें और खाते-पीते एंजॉय करते हुए पूरा ट्रिप कंप्लीट करें। सफर पर जा रहे हैं तो कार या बस की उस सीट को चुने जहां मोशन सिकनेस ज्यादा फील न हो। कार में ड्राइवर सीट के पास बैठना सबसे अच्छा माना जाता है।

ट्रिप का प्लान बनाएं तो बाहर की ताजी हवा लेने से मोशन सिकनेस नहीं होगा। कार में एसी चलाकर बैठने पर कार बंद करने बड़ा है। ऐसे में सफोकेशन फील होता है और उल्टी या चक्कर फील हो सकता है।जब भी सफर पर निकलें तो साथ में पढ़ने के लिए कुछ किताब और हेडफोन रखें। ट्रैवलिंग में पढ़ने और म्यूजिक सुनने से ट्रिप मजेदार बन जाता है और मोशन सिकनेस की समस्या छूमंतर हो जाती है।

घूमने जा रहे हैं तो सफर के वक्त कुछ ऐसा ही खाने की कोशिश करें, जो जल्दी से डाइजेस्ट हो जाए। हैवी खाना खाने से उल्टी होने का रिस्क ज्यादा रहता है।आजकल मार्केट में हर समस्या की दवा मिलती है। ऐसे में मोशन सिकनेस की दवा भी आती है। सफर पर जाने से पहले डॉक्टर की सलाह पर आप इन दवाइयों को ले सकते हैं।

रज़ा लाइब्रेरी में मौजूद है फारसी की अद्भुत रामायण

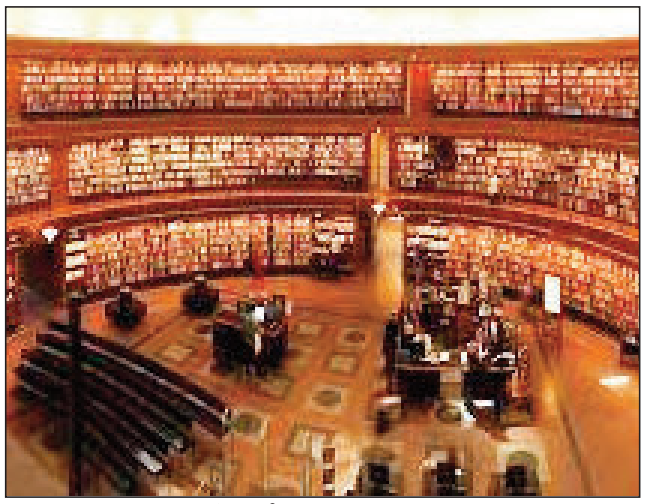

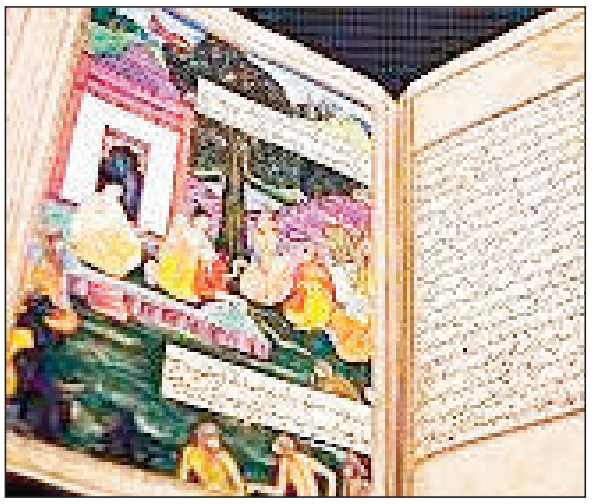

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , भारत गंगा-जमुनी तहजीब वाला देश है. इस बात की गवाही उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर की रज़ा लाइब्रेरी में रखी खास रामायण भी देती है. ये वाल्मीकि रामायण का फारसी भाषा में अनुवाद है. संस्कृत से फारसी भाषा में अनुवाद की गई ये रामायण 'ओम' के बजाय 'बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम' से शुरू होती है. इसके मतलब हैं, 'शुरू करता हूं अल्लाह के नाम से, जो बेहद रहम वाला है. उस वहदूद लाशरीक यानी अद्वितीय ईश्वर के उपकार के बाद मैं यह रामायण लिख रहा हूं.'

सोने और कीमती पत्थरों से सजाई गई है रामायण : रज़ा लाइब्रेरी में बेहद सहेज कर रखी गई इस रामायण का फारसी में अनुवाद सुमेर चंद ने 1713 में किया था. सुमेर चंद ने मुगल शासक फर्रुखसियर के शासनकाल में फारसी रामायण लिखी गई थी. इस रामायण के हर पन्ने को खालिस सोने और कीमती पत्थरों से सजाया गया है. इसमें मुगल शैली में 258 चित्र भी बनाए गए हैं. तस्वीरों में राम, सीता और रावण बिल्कुल अलग दिखते हैं. चित्रों में दिखाए गए पात्रों के आभूषणों, कला, वास्तुकला, वेशभूषा मध्ययुगीन काल में भारत की संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं.

गधे के सिर वाला रावण : फारसी रामायण के रावण के 10 के बजाय 11 सिर दिखाए गए हैं. इसमें 11वां सिर गधे का है, जो सबसे ऊपर दिखाया गया है. रामायण की शुरुआत में लिखा है कि 4,000 रुपये में इस किताब को खरीदा जा सकता है. फारसी रामायण के राम-लक्ष्मण और सीता मुगल शैली के राजसी परिधानों में दिखाए गए हैं. पात्रों के सिर पर सजी पगड़ी और टोपी मुगलिया दौर की याद दिला देती हैं कुछ तस्वीरों में पात्रों के हाथों में धनुष की जगह तलवारें दिखाई गई हैं. ऋषियों के बीच दिखाए गए राम धोती और जनेऊ धारण किए हुए हैं. एक चित्र में विश्वामित्र, राम और राजा दशरथ के सामने रखे बर्तनों में हीरे जड़े हुए दिखाए हैं.

हिंदी में भी किया गया फारसी रामायण का अनुवाद : रज़ा लाइब्रेरी के लाइब्रेरियन अबु साद इस्लाही के मुताबिक, बाद में फारसी रामायण का हिंदी में अनुवाद भी किया गया. ये काम प्रो. शाह अब्दुस्सलाम और डॉ. वकारुल हसल सिद्दीकी ने किया. फारसी रामायण का हिंदी अनुवाद भी रज़ा लाइब्रेरी में रखा हुआ है. उनके मुताबिक, ये बड़ी मिसाल है कि वाल्मीकि रामायण का संस्कृत से फारसी में अनुवाद एक हिंदू सुमेर चंद ने किया और फिर फारसी से हिंदी में अनुवाद दो मुस्लिमों ने किया है. उन्होंने बताया कि डॉ. वक़ारुल हसन तो अपने अनुवाद को पुस्तक के तौर पर देख भी नहीं सके. उससे पहले ही उनका निधन हो गया था.

संपादकीय

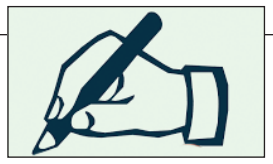

आर्थिक तर्कों की साझी विरासत

पहाड़ी राज्यों के संकल्प देश के राजनीतिक महाभारत में राष्ट्रीय नहीं रहते, यह संघर्ष हर मुख्यमंत्री को हिमाचल की वकालत के साथ करना पड़ा। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का दौरा दिल्ली से अपने अधिकारों के तर्क साझा कर रहा है। प्रदेश पहली बार कोशिशों के नए मुहाने पर अपने अधिकारों के आवरण के साथ आत्मनिर्भर होने की दरगाह खोज रहा है। इस सफर में हमेशा केंद्र का एक पक्ष और उसकी संवेदना का रुख सहायक हुआ है, लेकिन वित्तायोगों के चश्में बदलते ही मुफलिसी का रोग बढ़ गया और केंद्र के तराजू ने हमें राजनीतिक तौर पर आंकना शुरू कर दिया। कभी फौज की वर्दी पहनकर हिमाचली युवा आगे हो जाता था, लेकिन अब राज्यों का कोटा इस कद्र निर्धारित कर दिया कि अवसर कम हो गए। हमारे सन्नाटे हमीं से पूछ रहे, पड़ोसी के मोहल्ले में शोर कैसा है। यानी हमें चुप कराकर केंद्र ने मैदान से पूछा यह बाढ़ का आलम क्या है। हमें पौंग जैसे जलाशयों में डुबोकर राजस्थान से पूछा कि जवाहर नहर में पानी की गति क्या है। पंजाब पुनर्गठन से मिली पर्वतीय हवा से कोई संवाद नहीं, मगर हरियाणा व पंजाब से ही पूछा तुम्हारी इल्ति■ा क्या है। अब अगर हिमाचल की जमीन का सीना चीरकर निकल रहीं विद्युत परियोजनाएं न्यायोचित रॉयल्टी या जायज वित्तीय अधिकार नहीं दे रहीं, तो क्या इनकी खुशहाली के आलम में प्रदेश की संवेदना बर्फ बनी रहे। राज्य की विद्युत नीति का आत्मसम्मान व यथार्थ अगर केंद्र से अधिकार मांग रहा है, तो यह पहाड़ को ढोने जैसा तर्क क्यों समझा जा रहा। इसलिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के साथ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का संवाद केवल गुजारिश नहीं, केंद्र व राज्यों के बीच संबंधों का सेतु है। बीबीएमबी की जो परियोजनाएं पानी के साथ बिजली के अधिकारों पर कुंडली मार कर बैठी हैं, वे चालीस साल के बाद प्रदेश को क्यों न हस्तांतरित हों। शानन विद्युत परियोजना अपनी एक सदी पंजाब को दे देने के बाद भी हिमाचल के भविष्य की सदी को रोक नहीं सकती, लिहाजा लीज खत्म होने के साथ इसका हस्तांतरण अपने साथ रोजाना लगभग अस्सी लाख की आमदनी भी हिमाचल को सौंपेगा। इसी तरह प्रदेश में एसजेवीएन तथा एनएचपीसी द्वारा संचालित विद्युत परियोजनाएं रायल्टी का भुगतान समय सीमा के भीतर करें और उत्तराखंड की तर्ज पर वाटर सैस के अधिकार की मान्यता मिले तो हिमाचल अपने आर्थिक आदर्श कायम कर पाएगा। हिमाचल को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए पर्वतीय अंचल की विशालता और सीमा को समझना होगा। इसी आधार पर हिमाचली परियोजनाओं का वित्त पोषण 90 : 10 की दर में हुआ, लेकिन अब केंद्र पलटी मार रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की लागत में अगर इस आधार पर धर्मशाला-शिमला की परियोजनाएं चलतीं, तो अब तक इनके मुकाम तय हो चुके होते।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

Google Pay के लिए बढ़ गई ट्रांजैक्शन लिमिट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 10 जनवरी , नए साल के अवसर पर केंद्र सरकार ने PhonePe, Paytm, Google Pay और यूपीआई के जरिए लेनदेन करने वालों को बड़ी खुशखबरी दी है। मौजूदा समय में पान की दुकान से लेकर बड़ी - बड़ी जगहों पर ने इसका इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। सभी लोग अब डिजिटल ट्रांजैक्शन पर निर्भर हो चुके हैं। अब यूपीआई पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार यूपीआई नियमों में कुछ परिवर्तन किया है। दरअसल, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर NPCI ने ट्रांजैक्शन की लिमिट को बढ़ाने का फैसला लिया है। बता दें कि यूपीआई पेमेंट के लिए पहले एक दिन 1 लाख रुपये की लिमिट सेट थी।

एक दिन 5 लाख तक की लेनदेन

बता दें कि NPCI और आरबीआई ने नए नियमों के तहत इस लिमिट को 1 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रूपये कर दी है। हालांकि ये सुविधा केवल अस्पताल और शिक्षण संस्थानों के लेनदेन में ही मिलेगी. UPI पेमेंट ऐप यूजर्स के लिए ये सुविधा 10 जनवरी से चालू कर दी जाएगी। इसके लिए NPCI ने बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर को एडवाइजरी जारी चुकी है। बता दें कि NPCI लेनदेन की सुविधा बढ़ाने के

लिए पहले मर्चेंट को वैरिफाइड करगी। इसके बाद मर्चेंट पेमेंट मोड के तौर पर UPI इनेबल करना जरूरी होगा।

मर्चेंट यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगेगा चार्ज

इस बदलाव के अलावा, ऑनलाइन वॉलेट जैसे प्रीपेड ट्रांजैक्शन उपकरणों का उपयोग करके किए गए 2,000 रुपये से अधिक के कुछ व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर 1.1 प्रतिशत इंटरचेंज चार्ज भी लगेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन पेमेंट धोखाधड़ी के बढ़ते केसों को कम करने के लिए 2,000 रुपये से अधिक के पहले भुगतान के लिए चार घंटे की समय सीमा होगी, जिन्होंने पहले लेनदेन नहीं किया है। वहीं, जल्द ही UPI यूजर्स 'टैप एंड पे' सुविधा को एक्टिव कर सकेंगे। हालांकि अभी तक इसकी ऑफिशियल है।

माया ग्रुप ऑफ कालेज व आईटीबीपी के बीच समझौते पर हुए हस्ताक्षर

विकासनगर। माया ग्रुप ऑफ कॉलेज और आईटीबीपी देहरादून के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें माया कॉलेज की ओर से मानसिक तनाव से जूझ रहे आईटीबीपी जवानों को मनोवैज्ञानिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस समझौते पर माया देवी एजुकेशनल फाउंडेशन की प्रबंध निदेशक डॉ. तृप्ति जुयाल सेमवाल एवं आईटीबीपी के डीआईजी (नॉर्थन फ्रंटियर) रमाकांत शर्मा ने हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए डॉ. तृप्ति जुयाल सेमवाल ने कहा कि सीमाओं पर देश की सुरक्षा कर रहे जवानों की सेवा करने का इससे अच्छा सहयोग और नहीं हो सकता। कहा कि जो जवान घर से दूर रहकर या किसी अन्य वजहों से मानसिक तनाव में हैं, उन्हें माया देवी एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा मनोवैज्ञानिक रूप से काउंसलिंग कर तनाव रहित कर सके। डॉ. तृप्ति ने कहा कि माया देवी एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा यह सेवाए निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रहीं हैं। उत्तर भारत में किसी भी जवान को तनाव का सामना करना पड़ता हैं तो हम बॉर्डर में जाकर भी उसको तनाव से दूर करने का प्रयास करेंगे। आईटीबीपी के डीआईजी रमाकांत शर्मा ने समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि माया एजुकेशनल फाउंडेशन की यह अनूठी पहल है, जिससे जवानों को तनाव से दूर रखने में सहायता मिलेगी। आईटीबीपी की डिप्टी कमांडेंट देश रत्ना ने डॉ. तृप्ति को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण के दौरान आईटीबीपी फाउंडेशन को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। आईटीबीपी के आईजी (नॉर्थन फ्रंटियर) संजय उनियाल ने माया देवी एजुकेशनल फाउंडेशन को इस एमओयू के लिए धन्यवाद दिया। आईटीबीपी के कमांडेंट पीयूष पुष्कर एवं डॉ. तृप्ति ने इस एमओयू के बाद आईटीबीपी परिसरमें रुद्राक्ष एवं नीम के पेड़ भी लगाए। एमओयू के हस्ताक्षर के दौरान माया कैम्पस डीन डॉ. मनीष पाण्डे एवं डिप्यूटी डायरेक्टर आशुतोष बुडोला उपस्थित थे।

रैग पिकर्स के उत्थान को दी आवश्यक जानकारियां

ऋषिकेश। कूड़ा बीनने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन लाने और उनके उत्थान के जिला विधिक शिविर आयोजित हुआ। वक्ताओं ने सामाजिक उत्थान एवं पर्यावरण संरक्षण में रैग पिकर्स की भूमिका को अहम बताया। मंगलवार को नगर निगम के स्वर्ण जयंती सभागार में जिला विधिक शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून के सचिव जज हर्ष यादव ने कहा कि सामाजिक उत्थान एवं पर्यावरण संरक्षण में रैग पिकर्स (कूड़ा बीनने वालों) की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम उनके कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं को प्रभावी बनाएं। उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ तभी मिल सकता है, जब उनके पास आवश्यक कागजात उपलब्ध हों। इसके लिए राशनकार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड होना जरूरी है।

SSP नैनीताल ने 12 घंटे में किया चोरी का खुलासा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 10 जनवरी : विनीत जोशी पुत्र स्व0 हेमचन्द्र जोशी निवासी निकट सरकारी अस्पताल तल्लीताल भीमताल नैनीताल द्वारा थाना भीमताल में तहरीर दी गई कि दिनांक 07.01.2024 को सपरिवार हल्द्वानी जाने के दौरान उसके घर से लगभग 12 तोला सोने के जेवरात चोरी हो गये।

जिसके आधार पर थाना भीमताल में एफ0आई0आर0 नं0 04/24 धारा 380 भा0द0वि0 में अभियोग पंजीकृत किया गया।प्रहलाद नारायण मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा उक्त घटना का संज्ञान लेकर तत्काल पुलिस टीम गठित करते हुए मामले का खुलासा एवं शत प्रतिशत बरामदगी करने हेतु निर्देशित किया गया।

डॉ0 जगदीश चन्द्रा पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात के मार्गदर्शन एवं नितिन लोहानी पुलिस उपाधीक्षक भवाली के निर्देशन एवं थानाध्यक्ष भीमताल जगदीप नेगी के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। पुलिस टीम द्वारा कड़ी सुरागरसी-पतारसी व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दिनांक 08.01.2023 को हल्द्वानी

जाने वाले रास्ते मे प्रातः 06:58 बजे चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति आकिल खान पुत्र कामिल खान निवासी भवाली सरस्वती शिशु देवी मंदिर भवाली जनपद नैनीताल के पास से लगभग 12 तोला सोने के जेवरात बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त से पूछताछ

अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि वह चोरी किये गये जेवरात को अपने शौक पूरे करने के लिए बेचने हल्द्वानी जा रहा था, जिसे पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

अभियुक्त का नाम- आकिल खान उम्र 30 वर्ष पुत्र कामिल खान निवासी भवाली सरस्वती शिशु देवी मंदिर भवाली जनपद नैनीताल।

बरामद माल का विवरण

1- सफेद धातु डायमंड टॉप्स - 02 अदद2- कंगन बड़े पीली धातु - 02 अदद3- पीली धातु कान का टाप्स- 01 अदद4- पीली धातु सोने की अंगूठी- 01 अदद5- पीली धातु कान की गोल बाली- 02 अदद6- पीली धातु की पैडल चैन सहित - 01 अदद7-पीली धातु तिलहरी मय काले दाने - 01 अदद8-पीली धातु मंगलसूत्र - 01 अदद (कुल 12 तोला लगभग, अनुमानित कीमत मूल्य- 8,40,000.00रु0) उपरोक्त घटना का सफल अनावरण करने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा पुलिस टीम की हौसला अफजाई हेतु 2,500 के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

गिरफ्तारी टीम

1- जगदीप नेगी (थानाध्यक्ष भीमताल)2-उ0नि0 भुवन चन्द्र जोशी (विवेचक)03. हे0का0 सुमित चौधरी 04. का0 संजय नेगी 05. का0 संजय साहनी 06 का0 अरविन्द सिंह राणा 07 का0 प्रकाश चन्द्र 08 का0 राहुल राणा

ईयरफोन के तार पर क्यों होती हैं 2 या 3 लाइनें, क्या होता है इनका काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 10 जनवरी : आज के वक्त में आते-जाते हर किसी व्यक्ति के कान में आपको ईयरफोन लगा दिख जाएगा. कोई गाना सुनने के लिए तो कोई फिल्में देखने के लिए उनका इस्तेमाल करता है. वहीं कई लोग तो यूं ही लगाए रहते हैं, जिससे लोगों की बातों से पीछा छुड़ा सके. पर ईयरफोन को अपने स्मार्टफोन में लगाते वक्त आपने एक चीज तो जरूर गौर की होगी. वो ये कि ईयरफोन के जैक पर 2 या 3 लाइनें बनी होती हैं. जैक का अर्थ है ईयरफोन का वो हिस्सा जो मोबाइल फोन के छेद में घुसता है. क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर उसपर लाइनें क्यों होती हैं?

हम बात कर रहे हैं ईयरफोन जैक पर बनी लाइनों के बारे में. दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसा ने ये सवाल किया कि ईयरफोन या हेडफोन के जैक पर बनी दो या तीन लकीरों का क्या अर्थ है. हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं सबसे पहले आपको इस शब्द के बारे में बताते हैं. ईयरफोन के अंत में मेटल का हिस्सा होता है जिसे प्लग बोलते हैं और वो हिस्सा जिस भी यंत्र में लगता है, जैसे मोबाइल फोन या फिर लैपटॉप, उसे जैक बोलते हैं.

पर आजकल लोग इन दोनों शब्दों को एक दूसरे की जगह इस्तेमाल कर लेते हैं. टेक से जुड़ी वेबसाइट गियर पेट्रोल और हेडफोनेस्टी के अनुसार ईयरफोन प्लग के मेटल पिन पर कंडक्टर होते हैं जो ऑडियो सिग्नल को ट्रांसमिट करने में मदद करते हैं. ये गोल्ड, निकल, ब्रास आदि के फिनिश में होते हैं. इसी तरह जो जैक होते है, वो छेद होता है जिसमें कंडक्टर मौजूद होते हैं. इन दोनों में जो कंडक्टर मौजूद हैं, उन्हें खास सिग्नल दिए जाते हैं. ऐसे में ये जरूरी है कि दोनों के कंडक्टर एक दूसरे से मैच करें, तभी ईयरफोन से आवाज सुनाई देगी.हेडफोन केबल में जितने तार होंगे, उतने ही उसके प्लग में कंडक्टर होंगे. दो तार होने पर दो कंडक्टर होंगे, 3 तार में 3 कंडक्टर होंगे. इसी प्रकार जैक में भी ये कंडक्टर होते हैं. नीचे दी गई फोटो से आप समझ सकते हैं कि ईयरफोन के प्लग के 3 हिस्से होते हैं. टिप, रिंग और स्लीव. हर प्लग में टिप और स्लीव होती है. पर रिंग में फर्क होता है. इन ईयरफोन पर बनी ये लकीरें दर्शाती हैं कि वो कितने ऑडियो चैनल को ट्रांसमिट कर सकता है. जिनपर एक लकीर होती है, उसे TS केबल कहते हैं. ये सिर्फ एक चैनल से ऑडियो ट्रांसमिट कर सकते हैं, यानी मोनो ऑडियो सिग्नल, इसे मोनो जैक भी कहते हैं. ये अक्सर इलेक्ट्रिक गिटार को एम्प से कनेक्ट करने में उपयोग होते हैं.दूसरे होते हैं TRS (Tip, Ring, Sleeve) केबल, जिसमें दो रिंग होते हैं इसे स्टीरियो जैक भी कहते हैं. इसमें दो चैनल सपोर्ट करते हैं. ये आपको उन हेडफोन या ईयरफोन्स में मिलेंगे जिनमें माइक नहीं होता है. इसे आमतौर पर गाने सुनने के लिए लोग इस्तेमाल करते हैं. TRRS (Tip, Ring, Ring, Sleeve) में 3 रिंग होती है और ये दो चैनल और एक माइक को सपोर्ट करते हैं. जिन ईयरफोन से आप बात करते हैं, वो ये वाले होते हैं. आपको बता दें कि टिप लेफ्ट ऑडियो सिग्नल को कैरी करता है. रिंग राइट ऑडियो सिग्नल को कैरी करता है. वहीं स्लीव ग्राउंड सिग्नल को कैरी करता है. इस वजह से ये अलग-अलग रिंग होते हैं. क्या आपको इसकी जानकारी थी? ऐसे फैक्ट्स के लिए जुड़े रहिए.

मूल निवास, भू-कानून के लिए 15 को बागेश्वर में प्रदर्शन

हल्द्वानी। मूल निवास 1950 से जारी करने और राज्य में भू-कानून की मांग को लेकर 15 जनवरी को बागेश्वर में आंदोलन किया जाएगा। मंगलवार को हल्द्वानी में पहाड़ी आर्मी संगठन की ओर से नवाबी रोड स्थित एक बैंक्वेट हाल में बुलाई सर्वदलीय बैठक में आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। इसमें उत्तराखंड क्रांति दल, स्वराज हिंद फौज, व्यापार मंडल, छात्र संघ, सच के साथ संगठन और आईटीआई कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान पहाड़ी आर्मी के अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा, उत्तराखंड में पहाडियों के हक की लड़ाई के लिए सभी युवाओं ने कमर कस ली है। 15 जनवरी उत्तरायणी के दिन सरयू बगड़ बागेश्वर में आंदोलन होगा। जहां हजारों की संख्या में आंदोलनकारी एकत्रित होंगे और स्थाई निवास प्रमाण पत्रों को कुली बेगार प्रथा की तर्ज पर सरयू में बहाया जाएगा। 28 जनवरी को हल्द्वानी में हजारों आंदोलनकारी एकत्रित होंगे। स्वराज हिंद फौज के अध्यक्ष सुशील भट्ट और व्यापारी नेता सौरभ भट्ट ने कहा कि भू-कानून और मूल निवास 1950 हमारा हक है। इसे पाने के लिए हम किसी भी हद तक सरकार से लडने के लिए तैयार हैं। यूकेडी नेता सुशील उनियाल और सामाजिक कार्यकर्ता भूपेंद्र कोरंगा ने कहा, बाहरी राज्यों से आए लोगों ने सरकार के साथ-मिलकर पूरे पहाड़ को बर्बाद कर दिया है। जनता की मांग के अनुसार कानून लागू नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन होगा। बैठक में हेमंत पंत, सामाजिक कार्यकर्ता कमल जोशी, आरटीआई कार्यकर्ता जितेंद्र रौतेला, हरीश जोशी, इंजीनियर गोकुल मेहरा, मधुकर बनोला, कौशल पाठक, बिरजू मयाल, भूपेश जोशी, छात्र संघ नेता अजय, राजेंद्र जोशी, क्षेत्र पंचायत सदस्य घनश्याम तिवारी, दयाल पांडे, हेम पंत, अमित कोहली, शिवम अधिकारी, हिमांशु पांडे, सुभाष तिवारी, दीप जोशी, चंदन अधिकारी रहे।

बाढ़ सुरक्षा कार्य होने से ग्रामीणों को मिलेगी राहत : अग्रवाल

ऋषिकेश। वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गौहरी माफी में बाढ़ सुरक्षा कार्यों का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं रहेगी। बाढ़ सुरक्षा दीवार बनने से गौहरी माफी के ग्रामीणों को राहत मिलेगी। मंगलवार को गौहरी माफी में करीब 2200 मीटर लंबी बाढ़ सुरक्षा दीवार का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया गया। मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि इसकी लागत करीब 15 करोड़ रुपये है।

संक्षिप्त खबरें

अंकिता मामले में कांग्रेस की न्याय यात्रा 14 को

उत्तरकाशी। अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी 14 जनवरी को जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में न्याय पद यात्रा निकालेगी। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर प्रदर्शन करेंगे और भाजपा के कारनामों से जनता को अवगत करायेंगे। मंगलवार को गांधी वाचनालय स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष मनीष राणा ने पत्रकारों से वार्ता की। कहा कि गत दिवस सरकार की ओर से करोड़ो रूपए खर्च कर रामलीला मैदान में दीदी भूली कार्यक्रम पर आयोजित किया गया। लेकिन अंकिता भंडारी को आज तक न्याय नही मिल पाया। अंकिता के परिजन न्याय की गुहार लगाये बैठें हैं। कहा कि सरकार जो बजट नारी सशक्तिकरण के नाम पर बड़े-बडे कार्यक्रम आयोजन कर बजट ठिकाने लगा रही है, उस बजट से बदहाल ग्रामीण सडक़ो, टपकती स्कूलों की छतों, दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में संचार सेवाओं तथा अन्य समस्याओं का निराकरण किया जा सकता था। लेकिन सकर जनता को गुमराह कर रही है। सरकार के इन्ही कारनामों को लेकर कांग्रेस 14 जनवरी को न्याय पद यात्रा निकालेगी और सरकार के कारनामों को जनता के समक्ष रखेंगी। इस मौके पर जगमोहन रावत, कमल रावत, अंजनी उनियाल,शीशपाल पोखरियाल, मनोज मिनान आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रसूता को एयर एंबुलेंस से हायर सेंटर भेजा

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल में भर्ती एक प्रसूता को गंभीर प्रसव पीड़ा होने पर सोमवार को जिला प्रशासन ने एयरलिफ्ट करके हायर सेंटर भेजा। जिस कारण प्रसूता की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, चिन्यालीसौड़ के बादसी गांव निवासी वंदना (26) को गंभीर प्रसव पीड़ा हुई। सोमवार को परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन डॉक्टरों ने जटिल प्रसव पीड़ा के कारण प्रसूता के सफल उपचार से मना कर दिया। जिसके बाद यमुनोत्री विधानसभा के किसी कार्यकर्ता ने विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल को स्थिति से अवगत कराया। विधायक ने यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को बताई। जिसके बाद जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा सम्बन्धित परिवार एवं चिकित्साधिकारी तथा उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विभाग से समन्वय कर महिला को दोपहर में एयर एम्बुलेंस से उपलब्ध कराते हुये आईटीबीपी मातली हेलीपैड से एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर किया गया।

चिन्यालीसौड़ के लिए उड़ान नहीं भर सका वायुसेना का विमान

उत्तरकाशी। सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी के लिए खराब मौसम के कारण एयरफोर्स का विमान आगरा से उड़ान नहीं भर पाया। यहां वायुसेना का एएन 32 विमान एक ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए उड़ान भरने वाला था, जबकि एयरफोर्स के अधिकारी और कर्मचारियों ने हवाई पट्टी पर तैयारी पूर ली थी। यह ट्रेनिंग ऑपरेशन तीन दिन चलना है, लेकिन पहले दिन मौसम ने साथ नहीं दिया। आगरा एयरपोर्ट से चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी में तीन दिन के लिए एयरफोर्स के एएन 32 विमान से ऑपरेशन कार्यक्रम होना था, लेकिन खराब मौसम के चलते एयरफोर्स का एएन 32 विमान आगरा से उड़ान नहीं भर पाया। जबकि एयरफोर्स के कर्मचारी व अधिकारियों द्वारा चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर इस ऑपरेशन के लिए सभी तैयारियां कर की गई थीं। चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर नियुक्त प्रबंधक घनश्याम सिंह ने बताया कि चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर एयरफोर्स के लोग रविवार शाम ही चिन्यालीसौड़ पहुंच गए थे। उन्होंने एयर फोर्स के अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि बार-बार कोशिश के बाद भी मौसम खराब होने के कारण विमान उड़ान नहीं भर पाया।

पंजाबी महासभा का लोहड़ी महोत्सव आज

हरिद्वार। उत्तरांचल पंजाबी महासभा ने बैठक कर बुधवार को होने वाले लोहड़ी महोत्सव के लिए जिम्मेदारियां बांटी हैं। ज्वालापुर इंटर कॉलेज में होने जा रहे लोहड़ी महोत्सव में स्वागत कमेटी, पांडाल व्यवस्था, मंच व्यवस्था और भोजन व्यवस्था को लेकर दायित्व दिए गए। मेला संयोजक विमल कुमार, जिला चेयरमैन प्रमोद पांधी, कौर कमेटी के वरिष्ठ सदस्य जगदीश लाल पाहवा, सुरेश कोचर, सुरेश गुलाटी, अनिल कुमार, परमानंद पोपली, अनु कक्कड़, सतपाल अरोरा, किशोर अरोड़ा, अनिल अरोड़ा, सुनील अरोड़ा, जिला संयोजक राजू ओबरॉय, डॉ. संदीप कपूर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल पुरी, परविंदर सिंह, सतीश भाटिया, कामिनी सडाना, नेहा मलिक, मीनाक्षी छाबड़ा, रेनू शर्मा, रजनी वर्मा आदि मौजूद रहे। बैठक अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार और संचालन महामंत्री प्रदीप कालरा और राम अरोड़ा ने किया।